



ऋषि

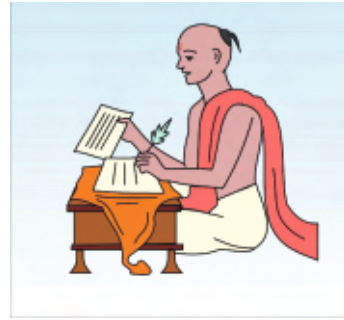
ऋ

ऋषि हमेशा ज्ञान बताते ।
सच की राह पर कदम बढ़ाते ॥

क्षत्रिय

क्ष

क्षत्रिय युद्ध में जाते हैं ।
दुश्मन को मार भगाते हैं ॥



त्रिशूल

त्र

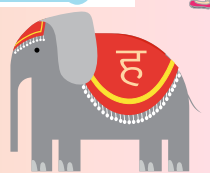
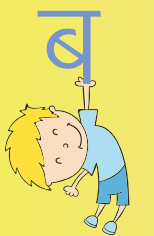
त्रिशूल होता बड़ा भयंकर ।
धारण करते हैं शिव शंकर ॥

ज्ञानी

ज्ञ

ज्ञानी देते सबको ज्ञान ।
इनका करते सब सम्मान ॥

निर्देश :- दिए गए चित्रों पर बातचीत करें । चित्र के नीचे संदर्भ पंक्तियाँ लिखी हैं । पंक्तियाँ पढ़कर कुंजी शब्द का उच्चारण करवाएँ । कुंजी शब्द के आधार पर कुंजी वर्ण की पहचान करवाएँ । कुंजी वर्ण से नए शब्द बनाकर उच्चारण करवाएँ । वर्ण शिक्षण के चरणानुसार आगे बढ़ें ।



सुनें और बोलें

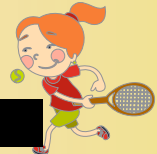
ऋ	क्ष	त्र	त्रा	ज्ञ
क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षे
त्र	त्रि	त्रू	त्रे	त्रै

पढ़ें और बोलें

क्षमा	पक्ष	कक्षा	क्षत्रिय
पत्र	मिल	नेत्र	त्रिभुज
ऋण	ऋतु	ऋजु	ऋचा
ज्ञान	यज्ञ	ज्ञात	विज्ञान

लिखें

त्र	ऋ	ऋ	ऋ	ऋ	ऋ
त्र	त्र	त्र	त्र	त्र	त्र
क्ष	क्ष	क्ष	क्ष	क्ष	क्ष
ज्ञ	ज्ञ	ज्ञ	ज्ञ	ज्ञ	ज्ञ



लिखें

एक ऋषि गाँव में आए।

उनके हाथ में त्रिशूल था।

वे चौपाल पर बैठे

ज्ञान की बातें बताई।

पशु पक्षियों व वनों की रक्षा करने के लिए कहा।

पेंसिल घुमाएँ और रंग भरें

